5053 4499

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

A 260450

विक्रय विलेख

प्रतिफल की धनराशि - रू0 1,43,000/-

बाजारू मूल्य - रू0 1,98,000/-

अदा किये गये जनरल स्टैम्प- रू0 19,800/-

1.	भूमि का प्रकार	-	कृषि
2.	परगना	-	बिजनौर
3.	ग्राम	-	बरौना
4.	सम्पत्ति का विवरण	-	भूमि खसरा संख्या 146 रकबा

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

0.180 हे0 का पूर्ण भाग स्थित ग्राम- बरौना, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ।

5. मापन की ईकाई - हेक्टेअर

6. सम्पत्ति का क्षेत्रफल - 0.180 हेक्टेअर

7. सड़क की स्थिति - सुल्तानपुर रोड व अमरशहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक

8. सम्पत्ति का प्रकार - कृषि

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 278067

कोषागार लखनऊ से जारी

04 APR 2007

स. को. अ./ कोषाधिकारी
कोषागार लखनऊ

RY. LKO.

10. बोरिंग/ कुआं अन्य - कुछ भी नहीं है ।

चौहद्दी खसरा नं0 146

उत्तर : खसरा नं0-131

दक्षिण : खसरा नं0-147

पूरब : खसरा नं0-276

पश्चिम : खसरा नं0-142,144,145

500Rs.

द्वितीय पक्ष की संख्या- 1

विक्रेता का विवरण	:	क्रेता का विवरण
लवकुश पुत्र परीदीन निवासी ग्राम बरौना, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ।	:	संजय पुत्र केशन निवासी ग्राम भिर्जापुर भिटारी पो0 नौगाँव, तहसील व जिला फतेहपुर।
व्यवसाय- कृषि		व्यवसाय- कृषि

यह विक्रय विलेख लवकुश पुत्र परीदीन निवासी ग्राम बरौना, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ जिन्हें आगे विक्रेता कहा गया

है एवम् संजय पुत्र केशन निवासी ग्राम मिर्जापुर भिटारी पो0 नौगाँव, तहसील व जिला फतेहपुर जिन्हें आगे क्रेता कहा गया है के मध्य निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रेता भूमि खसरा संख्या 146 रकबा 0.180 हे0 का पूर्ण भाग स्थित ग्राम-बरौना, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ का मालिक, कामिल व काबिज है तथा उपरोक्त सत्यापित पटवारिक खतौनी

क्रम संख्या 00 [illegible] के अनुसार भूमि विक्रेता के नाम संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है और विक्रेता के नाम का अमल दरामद राजस्व अभिलेखों में हो गया है। विक्रेता अपना सम्पूर्ण हिस्सा क्रेता को इस विक्रय विलेख द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेता उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, काबिज व काबिज है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है और उक्त भूमि सरप्लस भूमि का हिस्सा नहीं है। यह कि विक्रेता यह घोषित करता

500Rs.

है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व साफ है तथा विक्रेता ने उसे इस विक्रय के पूर्व कहीं बय, हिबा, गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नही किया है। विक्रेता ने उक्त भूमि पर कृषि ऋण या अन्य प्रकार का कोई ऋण नहीं लिया है। यदि कोई ऐसा ऋण भविष्य में निकलता है तो उसके जिम्मेदार विक्रेता व उसके वारिसान व विधिक उत्तराधिकारी होगे। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या

500Rs.

सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नही है, न ही कुर्क इत्यादि है। विक्रेता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को उक्त विक्रय अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सम्पत्ति के फलस्वरूप कुल विक्रय मूल्य रु0 1,43,000/- के प्रतिफल में जिसका उपरोक्त केता द्वारा विक्रेता को इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के

अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेता वहाँ स्वीकार करते हैं, तदानुसार उक्त विक्रेता उक्त क्रेता के हाथ उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रय विलेख के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को कतई बेच दिया है, एवं विक्रेता ने विक्रयशुदा भूमि का मौके पर कब्जा क्रेता को बखूबी करा दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विक्रेता तथा उसके वारिसान का कोई अधिकार नहीं है।

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रूपये FIVE HUNDRED RUPEES

कोषागार लखनऊ से जारी

— 4 APR 2007

स. को. अ./ कोषाधिकारी

कोषागार लखनऊ

TRY. LKO.

विक्रेता ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए क्रेता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेंगे। विक्रेता व उसके वारिसान उसमें किसी प्रकार की अड़चन बाधा नहीं डाल सकेंगे एवं न ही कोई मांग कर सकेंगे और यदि विक्रयशुदा

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रेता के [illegible] के कारण या कानूनी अड़चन या कानूनी त्रुटि के कारण क्रेता या उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कब्जे या अधिकार या स्वत्व से निकल जाये तो क्रेता उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि को यह हक होगा कि वह अपना समस्त नुकसान मय हर्जा व खर्चा, विक्रेता की चल, अचल सम्पत्ति से जरियें

अदालत वसूल कर ले। उस स्थिति में विक्रेता एवं उसके वारिसान हर्जा व खर्चा देने हेतु बाध्य होगा ।

यह कि विक्रेता यह भी घोषित करता है कि उक्त भूमि लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ तथा उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, लखनऊ तथा अन्य किसी भी सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्था द्वारा अधिग्रहीत नहीं की गयी है और न ही प्रस्तावित है ।

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 584470

यह कि केता विक्रयशुदा सम्पत्ति की दाखिल खारिज राजस्व अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा लें तो विक्रेतागण को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेख के पूर्व का अगर कोई बकाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विक्रेता भुगतान व वहन करेंगे, विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी।

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये Rs. 100

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 584468

यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम बरौना अर्धनगरीय क्षेत्र के सामान्य ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरकिल रेट रू0 11,00,000/- प्रति हेक्टेअर हिसाब से विक्रीत भूमि 0.180 हेक्टेअर की मालियत रू0 1,98,000/- होती है तथा विक्रय मूल्य, भूमि की बाजारू मूल्य से कम है इसलिए नियमानुसार बाजारू मूल्य पर ही रू0 19,800/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 584467

के उपयोग के लिए क्रय की जा रही है। भूमि में कोई पेड़ इमारत आदि नही है तथा किसी प्रकार की आवासीय गतिविधियां नहीं चल रही है व कोई नलकूप, कुआं भी नहीं है, तथा 200 मी0 के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं हे विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर रोड से व अमर शहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेता एवं क्रेता दोनो

1522

05-05-2007

2/310

संजय S/O केशन

1401

विक्रय पत्र

141,000.00 198,000.00

3,960.00	40	4,000.00	2,000
फीस रजिस्ट्री	नकल व प्रति शुल्क	योग	शब्द लगभग

प्रतिफल मालियत

श्री / श्रीमती लवकुश

पुत्र / पत्नी श्री परीदीन

पेशा कृषि

निवासी स्थायी बरौना लखनऊ

अस्थायी पता

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय दिनांक 5/5/2007 समय 6:14PM

बजे निबन्धन हेतु पेश किया।

राकेश शुक्ला
उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
5/5/2007

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमून व प्राप्त धनराशि रू प्रलेखानुसार उक्त

विक्रेता

श्री/श्रीमती लवकुश
पुत्र/पत्नी श्री परीदीन
पेशा कृषि
निवासी बरौना लखनऊ

क्रेता

श्री/श्रीमती संजय
पुत्र/पत्नी श्री केशन
पेशा व्यापार
निवासी मिर्जापुर भिटारी फतेहपुर

ने निष्पादन स्वीकार किया।

जिनकी पहचान श्री मनोज कुमार
पुत्र श्री गुरुप्रसाद
पेशा व्यापार
निवासी भेंअहन खेडा हसनपुर खेवली लखनऊ

व श्री संजीव कुमार
पुत्र श्री बी बहादुर
पेशा व्यापार
निवासी लालबाग लखनऊ

ने की।

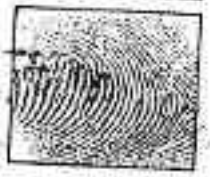

प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिये गये है।

राकेश शुक्ला
उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
5/5/2007

अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय विलेख के निबन्धन का समस्त व्यय क्रेता द्वारा वहन किया गया है।

लिहाजा यह विक्रय पत्र विक्रेता ने क्रेता के पक्ष में लिख दिया ताकि सनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आवे।

परिशिष्ट: भुगतान विवरण

1. विक्रेता को रू0 1,43,000/- द्वारा चेक संख्या- 418047 दिनांकित 05.05.2007 पंजाब नैशनल बैंक, हजरतगंज लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

इस प्रकार विक्रेता को कुल विक्रय मूल्य 1,43,000/- (रूपया एक लाख तिरालिस हजार मात्र) क्रेता से प्राप्त हुए जिसकी प्राप्ति विक्रेता स्वीकार करते हैं तथा अब विक्रेता को क्रेता से कुछ भी लेना-देना शेष नहीं है।

लखनऊः
दिनांक : 05.05.2007

गवाह :-क्रेता की पहचान की

1.

विक्रेता

क्रेता

2. विक्रेता पहचान की

टाईपकर्ता
(एम0 कुमार)
सिविल कोर्ट लखनऊ

मसविदाकर्ता
(विवेक कुमार सिंह)
एडवोकेट

विक्रेता

Registration No 4499 Year : 2007 Book No 1

0101 लवकुश

करीदीन

[illegible]

कृषि

क्रेता

Registration No. 4499 Year : 2007 Book No. 1

0201 संजय

निवासी: बिहारी कलेक्टर

व्यापार

रजिस्ट्रेशन अधि० 1908 की धारा - 32 ए० के अनुपालन हेतु,

फिंगर्स प्रिन्ट्स

प्रस्तुतकर्ता / विक्रेता नाम व पता :- ....

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

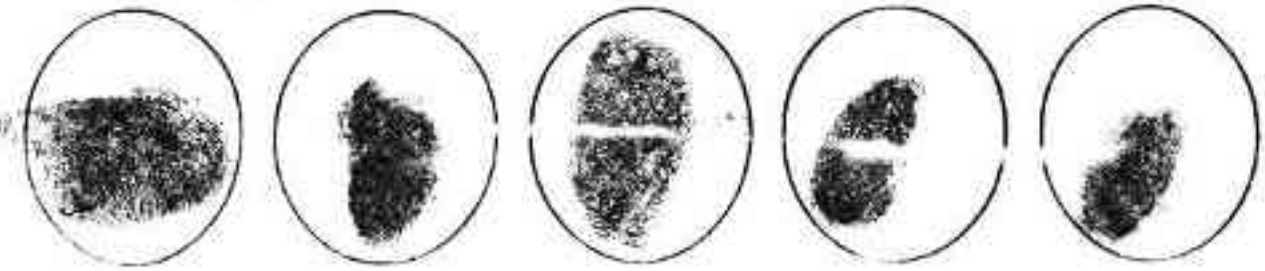

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

प्रस्तुतकर्ता / विक्रेता / क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता / क्रेता नाम व पता :- ....

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

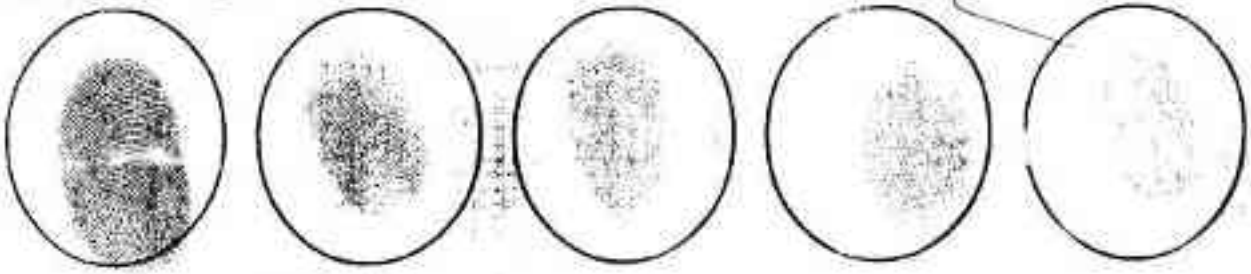

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

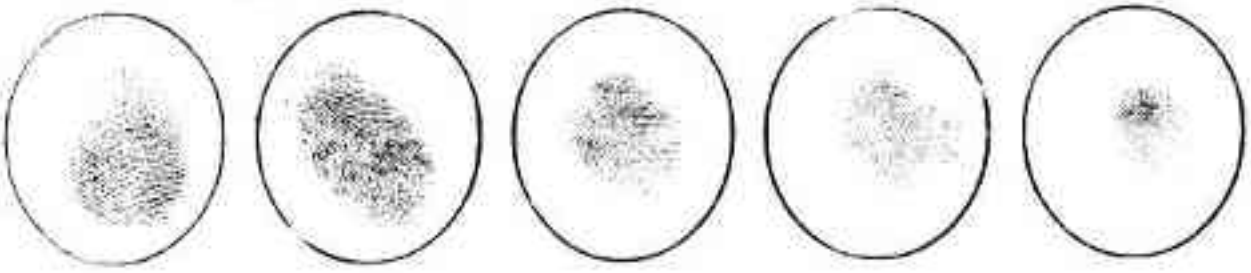

विक्रेता / क्रेता के हस्ताक्षर

आज दिनांक **05/05/2007** को

जिल्द सं **8314**

पृष्ठ सं **177** से **212** पर कमांक **4499**

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

अ शुक्ला

उप निबन्धक (प्रथम)

लखनऊ

5/5/2007